12.09 hrs.

Title: Regarding recent developments in Indo-Pak relations.

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : अध्यक्ष महोदय, 28 अप्रैल की शाम को पाकिस्तान के प्रधान मंत्री श्री जमाली ने मुझ से टेलीफोन पर बातचीत की।

प्रधान मंत्री श्री जमाली ने श्रीनगर में मेरी टिप्पणी तथा भारत-पाकिस्तान सम्बन्धों के बारे में संसद के दोनों सदनों में दिए गए मेरे वक्तव्य की सराहना की और इसके लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने आतंकवाद की भर्त्सना की।

जैसा कि माननीय सदस्यों को मालूम ही है, हम पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को सुधारने के लिये प्रतिबद्ध हैं और ऐसा करने के लिये हम किसी भी मौके का लाभ उठाना चाहेंगे। लेकिन हम एक सार्थक बातचीत के लिए अनुकूल वातावरण पैदा करने की आवश्यकता पर बार-बार जोर देते रहे हैं, जिसके लिये यह अत्यंत जरूरी है कि सीमा-पार से आतंकवाद को बंद करके इसके ढांचे का उन्मूलन किया जाये।

हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इस संबंध में मैंने आर्थिक सांस्कृतिक सहयोग, आदान-प्रदान, दोनों देशवासियों के आपसी सम्पर्क तथा नागरिक उड्डयन संबंधों के महत्व पर बल दिया। इनसे एक ऐसा माहौल पैदा होगा जिसमें हमारे द्विपक्षीय संबंधों के जटिल मुद्दों का समाधान निकाला जा सकेगा। प्रधान मंत्री जमाली ने दोनों देशों के बीच खेल-कूद संबंध फिर से शुरु करने का सुझाव दिया । हम इस बात पर सहमत हुए कि शुरुआती तौर पर, इन कदमों पर विचार किया जा सकता है।

इस संदर्भ में यह निर्णय लिया गया है कि पाकिस्तान में एक उच्चायुक्त की नियुक्ति की जाये तथा आदान-प्रदान के आधार पर नागरिक उड्डयन संबंधों को पुन: स्थापित किया जाये।

मैंने काठमाण्डू में सार्क सम्मेलन में क्षेत्रीय व्यापार तथा आर्थिक सहयोग के संबंध में लिये गये निर्णयों पर व्यापक प्रगति के महत्व पर भी बल दिया है। काठमाण्डू में हुए समझौतों को कार्यान्वित किया जाना चाहिये।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down.

* Placed in Library. See No. LT 7624/2003

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The normal practice has been that we do not permit questions on such type of statements. In our House, there is no practice of allowing questions.

...(*Interruptions*)

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, यह गम्भीर विाय है। पूरा देश चिन्तित है। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ाता चला जा रहा है। पाकिस्तान उग्रवादियों को रासायनिक हथियार उपलब्ध करा रहा है। इस स्थिति में पाकिस्तान से बात करने का क्या औचित्य है?â€¦ (व्यवधान)

श्री रवि प्रकाश वर्मा (खीरी) : अध्यक्ष महोदय, संसद ने इस मामले में एक संकल्प पारित किया थाâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: If you want to discuss this issue, you can come to the Business Advisory Committee and get the time. But, as a very special case. I am permitting Shri Shivraj Patil to put a question.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The Prime Minister has to go to the other House at 12.30 p.m. So, please do not take the time of the House unnecessarily by interruptions.

...(*Interruptions*)

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय प्रधान मंत्री से क्वैश्चन पूछने की इजाजत दी जाये।

MR. SPEAKER: Now, please sit down. If we get the time, you will be allowed to ask a question. आप इस तरह सदन का समय क्यों खराब कर रहे हैं?

SHRI SHIVRAJ V. PATIL (LATUR): The Leader of the Opposition and the Congress Party have been saying that dialogue is one of the routes which has to be taken by our country to solve the problem between India and Pakistan. Having said this, I would request yourself that this issue should be taken up on the floor of the House and all other hon. Members also should be allowed to make their statements at a later stage, convenient to both the sides.

I have one or two questions to ask the hon. Prime Minister and I hope that he would enlighten us on these questions. Gen. Jay Garner is alleged to have made a statement with regard to the Kashmir issue. It is reported in *The Indian Express* and *Asian Age*. I seek your permission to read out a portion of it to the House.

"We will ensure that a permanent solution of the perennial Kashmir problem is in place by December

2004 at the latest. US Government has decided to solve this problem once and for all. South Asia is the world's most volatile region, especially because of the proven weapons of mass destruction it possesses. It is even more dangerous than North Korea because of the history. A Kashmir roadmap will follow in the wake of the West Asia roadmap aimed at resolving the Palestinian issue."

Has the Government seen this report? Would the Government ascertain if such a statement has been made, and what would be the reaction of the Government to such a statement, if it is true?

We would request the hon. Prime Minister to enlighten us on this issue. This has relevance to the talk between India and Pakistan.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, पाकिस्तान के साथ जो बातचीत चल रही है, उसके बारे में सदन को लगातार विश्वास में लिया जाता रहेगा, किसी भी चीज पर पर्दा डालने का सरकार का इरादा नहीं है। लेकिन अगर ज्यादा जोर इस बात पर दिया जायेगा कि क्या बातें हो रही हैं, उन सबका उद्घाटन किया जाए, तो मैं समझता हूं कि चर्चा में उससे सहायता नहीं मिलेगी। अगर सदन अलग चर्चा चाहता है, पूरे भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा चाहता है तो मैं उसके लिए तैयार हूं, समय निकालना अध्यक्ष महोदय आपकी जिम्मेदारी है।

अध्यक्ष महोदय : बिजनेस एडवायजरी कमेटी भी है।

कुंवर अखिलेश सिंह : प्रधान मंत्री जी की इस बात को सदन स्वीकार करता है और अगले सप्ताह इस पर चर्चा की जाए।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : चर्चा के समय सदन में उपस्थिति भी अच्छी रहनी चाहिए, यह भी आपको विश्वास दिलाना होगा।

श्री पाटील साहब ने एक प्रश्न पूछा है, उन्होंने किसी जनरल साहब का एक बड़ा उद्धरण दिया है। मैंने भी वह उद्धरण देखा है। हमने उसके बारे में पता लगाने का प्रयास किया है। यह कहना ठीक नहीं होगा कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका का दृटिकोण है। इस समय अनेक अटकलें चल रही हैं। पता नहीं कितने लोग ऐसे घूम रहे हैं जो मध्यस्थता करना चाहते हैं। क्या मध्यस्थता करना चाहते हैं, क्यों मध्यस्थता करना चाहते हैं, इसके बारे में वे स्पट नहीं हैं। भारत समझता है कि पाकिस्तान के साथ जो कश्मीर का मामला है, वह एक द्विपक्षीय मामला है और इसमें किसी तीसरे को आने की जरूरत नहीं है, न हम उसे स्वीकार करेंगे। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रधान मंत्री जी ने जब यहां कहा है कि बिजनेस एडवायजरी कमेटी मान्य करेगी, फिर इस पर चर्चा होगी। अभी इस विाय में प्रश्न पूछने की क्या जरूरत है। अभी श्री अरुण जेटली जी का एक बिल इंट्रोड्यूस करना है, अभी वह करेंगे, उसके बाद जीरो ऑवर लेंगे।â€¦ (व्यवधान)